Title : Need to rescind the order banning production of ethanol for promoting sugarcane based industries in Bihar.

श्री पूर्णमासी राम (गोपालगंज): सभापति महोदय, बिहार एक पिछड़ा प्रदेश है जहां खाद्यानों एवं उद्योगों की कमी है। बिहार के पिछड़ेपन का यह बड़ा कारण है। इस कृषि प्रधान प्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों, खासकर गन्ना आधारित उद्योगों की बड़ी संभावना है। बिहार में गन्ने का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है जहां कई नई चीनी मिलें लगाई जा सकी हैं। इस संदर्भ में बिहार सरकार ने 23 नई चीनी मिलों एवं इथनॉल उत्पादन के लिए मेगा प्रोजैक्ट की मंजूरी दी है, लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा नई चीनी मिलों इथनॉल के उत्पादन पर रोक लगा देने से गन्ना आधारित नए उद्योंगों की संभावना पर ग्रहण लग गया है जिससे निजी निवेश हतोत्साहित हो गए हैं। माननीय प्रधान मंत्री जी ने सन् 2007 में इथनॉल के उत्पादन पर जोर दिया था। इसके बावजूद इथनॉल के उत्पादन पर एक आदेश के जरिए रोक लगा दी गई है जबकि गन्ना आधारित उद्योगों से हजारों मेगावाट बिजली का उत्पादन तो होगा ही, साथ ही इथनॉल के उत्पादन से पैट्रोल और डीजल का प्रदूषण कम किया जा सकेगा।

अतः मैं सरकार से मांग करना चाहूंगा कि बिहार जैसे पिछड़े प्रदेश के कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के मद्देनजर इथनॉल उत्पादन पर रोक से संबंधित आदेश शीघ्र वापिस लिया जाये, ताकि बिहार के गन्ना आधारित उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो सके। धन्यवाद।